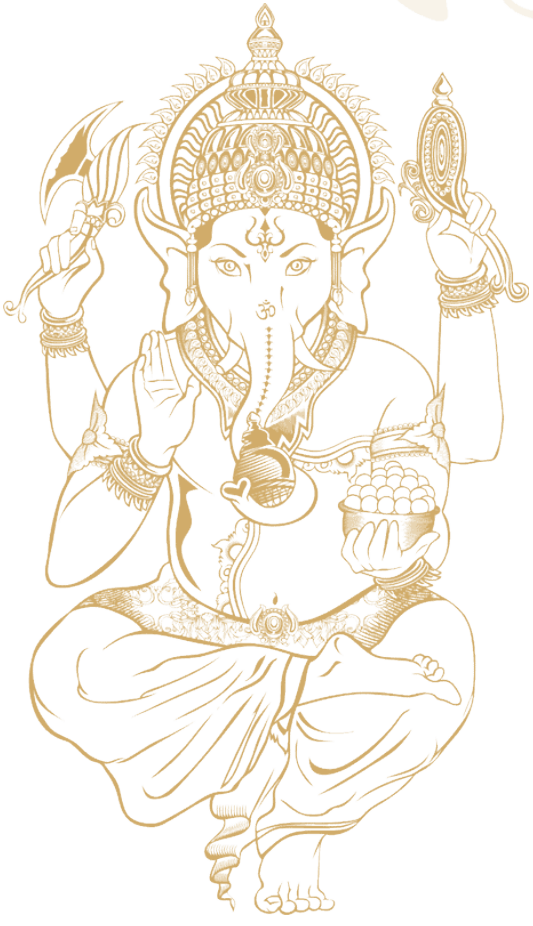

Suriyansh

11 Apr 2009

02:05 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121130521

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/04/2009**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:05:00 घंटे**
इष्ट	20:17:14 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:45:48 घंटे
वेलान्तर	-00:01:03 घंटे
साम्पातिक काल	03:04:34 घंटे
सूर्योदय	05:58:06 घंटे
सूर्यास्त	18:42:54 घंटे
दिनमान	12:44:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:36:11 मीन
लग्न के अंश	27:51:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:51:48	308:55:05	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मीन	27:36:11	00:58:51	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	18:29:24	12:46:28	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	27:17:36	00:46:45	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			मेष	09:31:19	01:58:09	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			मक	26:57:58	00:10:13	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	06:03:19	00:15:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	21:58:56	00:03:24	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	12:02:12	00:12:03	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	12:02:12	00:12:03	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	00:14:37	00:03:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
नेप			कुंभ	01:52:43	00:01:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	09:17:55	00:00:12	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			मेष	24:36:53	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:25

लग्न-चलित

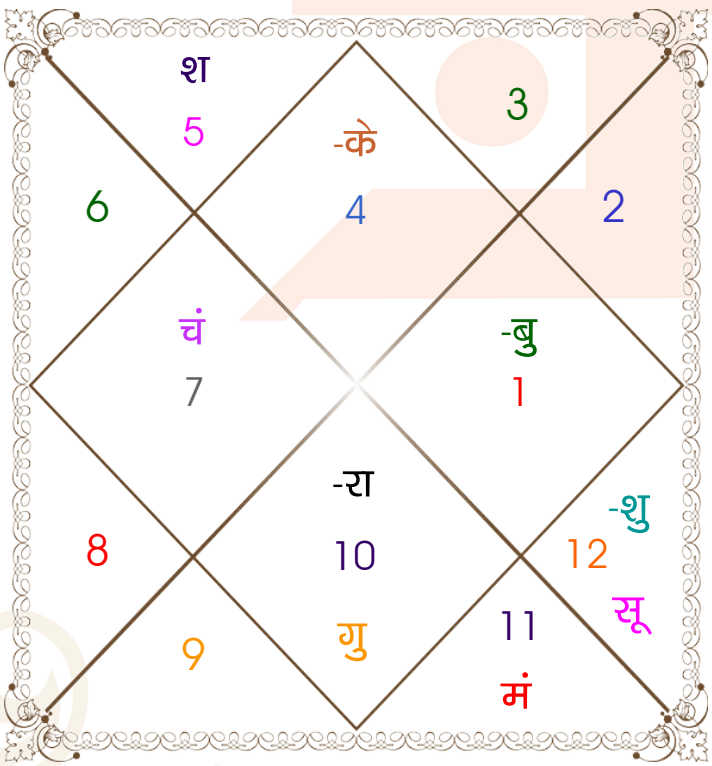

चन्द्र कुंडली

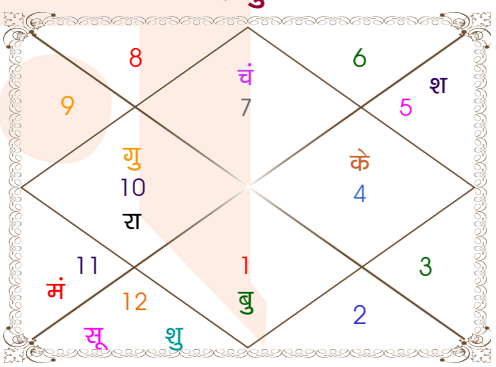

नवमांश कुंडली

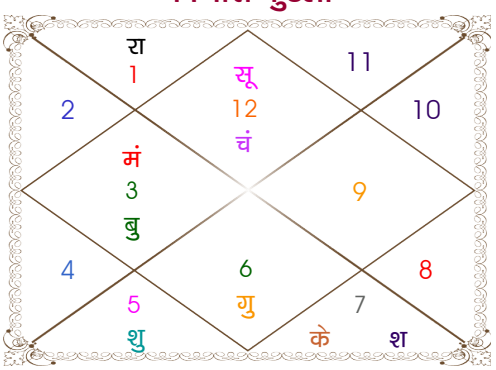

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 0 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/04/2009		26/04/2011		26/04/2027		25/04/2046		26/04/2063	
26/04/2011		26/04/2027		25/04/2046		26/04/2063		25/04/2070	
	00/00/0000	गुरु	13/06/2013	शनि	28/04/2030	बुध	21/09/2048	केतु	22/09/2063
	00/00/0000	शनि	25/12/2015	बुध	06/01/2033	केतु	18/09/2049	शुक्र	21/11/2064
	00/00/0000	बुध	01/04/2018	केतु	14/02/2034	शुक्र	19/07/2052	सूर्य	29/03/2065
	00/00/0000	केतु	08/03/2019	शुक्र	16/04/2037	सूर्य	26/05/2053	चंद्र	28/10/2065
	00/00/0000	शुक्र	06/11/2021	सूर्य	29/03/2038	चंद्र	25/10/2054	मंगल	26/03/2066
	00/00/0000	सूर्य	25/08/2022	चंद्र	28/10/2039	मंगल	22/10/2055	राहु	13/04/2067
	11/04/2009	चंद्र	25/12/2023	मंगल	06/12/2040	राहु	11/05/2058	गुरु	19/03/2068
चंद्र	07/04/2010	मंगल	30/11/2024	राहु	13/10/2043	गुरु	16/08/2060	शनि	28/04/2069
मंगल	26/04/2011	राहु	26/04/2027	गुरु	25/04/2046	शनि	26/04/2063	बुध	25/04/2070

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/04/2070		25/04/2090		25/04/2096		26/04/2106		26/04/2113	
25/04/2090		25/04/2096		26/04/2106		26/04/2113		00/00/0000	
शुक्र	25/08/2073	सूर्य	13/08/2090	चंद्र	23/02/2097	मंगल	23/09/2106	राहु	07/01/2116
सूर्य	25/08/2074	चंद्र	12/02/2091	मंगल	24/09/2097	राहु	11/10/2107	गुरु	02/06/2118
चंद्र	25/04/2076	मंगल	19/06/2091	राहु	26/03/2099	गुरु	16/09/2108	शनि	08/04/2121
मंगल	25/06/2077	राहु	13/05/2092	गुरु	26/07/2100	शनि	26/10/2109	बुध	26/10/2123
राहु	25/06/2080	गुरु	01/03/2093	शनि	25/02/2102	बुध	23/10/2110	केतु	13/11/2124
गुरु	24/02/2083	शनि	11/02/2094	बुध	27/07/2103	केतु	21/03/2111	शुक्र	14/11/2127
शनि	25/04/2086	बुध	19/12/2094	केतु	25/02/2104	शुक्र	20/05/2112	सूर्य	07/10/2128
बुध	23/02/2089	केतु	26/04/2095	शुक्र	26/10/2105	सूर्य	25/09/2112	चंद्र	12/04/2129
केतु	25/04/2090	शुक्र	25/04/2096	सूर्य	26/04/2106	चंद्र	26/04/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।